दैनिक सामयिकी: ०४.०६.२०२१

NITI आयोग ने SDG इंडिया इंडेक्स और डैशबोर्ड 2020-21 जारी किया

चर्चा में क्यों?

- NITI आयोग ने **सतत विकास लक्ष्य (SDG) इंडिया इंडेक्स और डैशबोर्ड 2020-21** का **तीसरा संस्करण** जारी किया।
- NITI आयोग ने **'SDG इंडिया इंडेक्स और डैशबोर्ड 2020-21: पार्टनरशिप्स इन द डिकेड ऑफ एक्शन'** शीर्षक रिपोर्ट जारी की।
- इंडेक्स 2030 SDG लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में भारत के राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों द्वारा की गई प्रगति का दस्तावेज है।
- भारत में संयुक्त राष्ट्र के सहयोग से विकसित SDG इंडिया इंडेक्स 2020-21 सभी राज्यों और केन्द्र - शासित प्रदेशों की प्रगति को उन 115 संकेतकों पर आंकता है जो सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (MoSPI) के राष्ट्रीय संकेतक फ्रेमवर्क (NIF) से जुड़े हैं।
- कुल 115 संकेतक लक्ष्य -17 के बारे में गुणात्मक मूल्यांकन के साथ कुल 17 सतत विकास लक्ष्यों (SDG) में से 16 को शामिल करते हैं और 70 SDG से जुड़े प्रयोजनों को कवर करते हैं।

प्रमुख बिंदु

कार्यप्रणाली

- SDG इंडिया इंडेक्स प्रत्येक राज्य और केन्द्र - शासित प्रदेश के लिए 16 SDG पर लक्ष्य-वार स्कोर की गणना करता है।
- कुल मिलाकर राज्य और केन्द्र - शासित प्रदेश के स्कोर 16 SDG पर उनके प्रदर्शन के आधार पर उप-राष्ट्रीय इकाई के समग्र प्रदर्शन को मापने के लिए गणना किये गये लक्ष्य-वार स्कोर में से निकाले जाते हैं।
- ये स्कोर 0-100 के बीच होते हैं, और अगर कोई राज्य/केन्द्र- शासित प्रदेश 100 का स्कोर प्राप्त करता है, तो यह इस तथ्य को दर्शाता है कि उस राज्य/केन्द्र - शासित प्रदेश ने 2030 के लक्ष्य हासिल कर लिए हैं। किसी राज्य/केन्द्र - शासित प्रदेश का स्कोर जितना अधिक होगा, उतनी ही अधिक दूरी तक उसने लक्ष्य हासिल कर लिया होगा।

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

- राज्यों और केन्द्र- शासित प्रदेशों को उनके SDG इंडिया इंडेक्स स्कोर के आधार पर निम्नलिखित तरीके से वर्गीकृत किया जाता है:
  प्रतियोगी (एस्पीरेंट): 0-49
  प्रदर्शन करने वाला (परफ़ॉर्मर): 50-64
  सबसे आगे चलने वाला (फ्रंट - रनर): 65-99
  लक्ष्य पाने वाला (एचीवर): 100

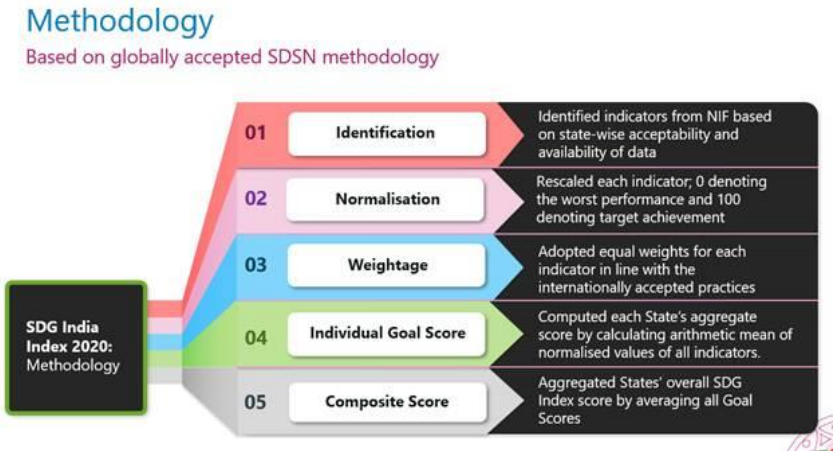

समग्र परिणाम और निष्कर्ष

- देश के समग्र SDG स्कोर में 6 अंकों का सुधार हुआ है - 2019 में 60 से बढ़कर 2020-21 में 66 पहुंचा।
- लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में यह सकारात्मक कदम बड़े पैमाने पर लक्ष्य -6 (साफ पानी और स्वच्छता) और लक्ष्य - 7 (सस्ती और स्वच्छ ऊर्जा) के बारे में अनुकरणीय देशव्यापी प्रदर्शन से प्रेरित है, जिसमें समग्र लक्ष्य स्कोर क्रमशः 83 और 92 हैं।
- **केरल 75 के स्कोर के साथ शीर्ष स्थान** पर है हिमाचल प्रदेश और तमिलनाडु 74 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है।
- **52 के न्यूनतम स्कोर के साथ बिहार सबसे खराब प्रदर्शन** करने वाले के रूप में उभरा है, इसके बाद झारखंड 56 के स्कोर के साथ दूसरे स्थान पर है।
- **केंद्र शासित प्रदेशों** में, **चंडीगढ़ 79 के स्कोर के साथ सूची में सबसे ऊपर** है।

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

Top-5 States	75	Kerala
	74	Himachal Pradesh, Tamil Nadu
	72	Andhra Pradesh, Goa, Karnataka, Uttarakhand
	71	Sikkim
	70	Maharashtra
Bottom-5 States	61	Chhattisgarh, Nagaland, Odisha
	60	Arunachal Pradesh, Meghalaya, Rajasthan, Uttar Pradesh
	57	Assam
	56	Jharkhand
	52	Bihar

नोट: 2019 के स्कोर में सुधार के मामले में मिजोरम, हरियाणा और उत्तराखंड 2020-21 में क्रमशः 12, 10 और 8 अंकों की वृद्धि के साथ शीर्ष पर हैं।

RDSO "एक राष्ट्र एक मानक" अभियान के तहत BIS का पहला संस्थान बना जिसे SDO घोषित किया गया है

चर्चा में क्यों?

- उपभोक्ता मामलों के विभाग के अंतर्गत आने वाले भारतीय रेल के संस्थान **RDSO (रिसर्च डिजाइन एंड स्टेंडर्ड्स ऑरगेनाइजेशन)** को **"एक राष्ट्र एक मानक"** अभियान के तहत **BIS (ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टेंडर्ड्स)** का पहला **SDO (स्टैंडर्ड डेवलपिंग ऑर्गनाइजेशन)** संस्थान घोषित किया गया है।
- RDSO ने **BIS SDO मान्यता योजना** के तहत एक मानक विकास संगठन (SDO) के रूप में मान्यता प्राप्त करने की पहल की।

प्रमुख बिंदु

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

- रेल मंत्रालय का एकमात्र अनुसंधान एवं विकास संगठन RDSO, लखनऊ, देश के प्रमुख मानक तय करने वाले संस्थानों मे से एक है और यह भारतीय रेल के लिए मानक तय करने का काम करता है।
- मान्यता 3 साल के लिए वैध है और वैधता अवधि पूरी होने के बाद नवीनीकरण की आवश्यकता होगी।

BIS SDO मान्यता योजना के बारे में:

- भारत सरकार की "एक राष्ट्र एक मानक" की परिकल्पना के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए राष्ट्रीय मानक संस्थान भारतीय मानक ब्यूरो (BIS) ने एक योजना शुरू की है जिसके तहत किसी संस्थान को SDO की मान्यता दी जाती है।
- इस योजना के जरिए BIS का लक्ष्य, अपने विशिष्ट क्षेत्रों में मानकों के विकास के काम में लगे देश के विभिन्न संस्थानों में उपलब्ध मौजूदा क्षमताओं और विशिष्ट डोमेन में उपलब्ध सकल विशेषज्ञता को एकीकृत करना है और इस तरह देश में जारी सभी मानक विकास गतिविधियों को रूपांतरित कर "एक विषय पर एक राष्ट्रीय मानक" तैयार करना है।

BIS (भारतीय मानक ब्यूरो) के बारे में:

- भारतीय मानक ब्यूरो उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में काम करने वाला भारत का राष्ट्रीय मानक निकाय है। यह भारतीय मानक अधिनियम, 1986 द्वारा स्थापित किया गया जो 23 दिसंबर 1986 को प्रभाव में आया था।

BIS की अन्य पहलें:

- उपभोक्ता जुड़ाव के लिए पोर्टल
- BIS-केयर ऐप
- COVID-19 मानक
- गुणवत्ता नियंत्रण आदेश

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने मास मीडिया सहयोग पर SCO समझौते को दी मंजूरी

चर्चा में क्यों?

- केंद्रीय मंत्रिमंडल ने शंघाई सहयोग संगठन (SCO) के सभी सदस्य देशों के बीच "मास मीडिया के क्षेत्र में सहयोग" के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर और अनुमोदन हेतु अपनी कार्योत्तर मंजूरी दे दी है।

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

- समझौता, जिस पर जून, 2019 में हस्ताक्षर किए गए थे, सदस्य राज्यों को मास मीडिया के क्षेत्र में सर्वोत्तम प्रथाओं और नए नवाचारों को साझा करने का अवसर प्रदान करेगा।

प्रमुख बिंदु

सहयोग के मुख्य क्षेत्र:

- मास मीडिया के माध्यम से सूचना के व्यापक और पारस्परिक वितरण के लिए अनुकूल परिस्थितियों का निर्माण ताकि अपने देशों के लोगों के जीवन के बारे में ज्ञान को और परिपक्व किया जा सके।
- अपने राज्यों के जनसंचार माध्यमों के संपादकीय कार्यालयों के साथ-साथ संबंधित मंत्रालयों, एजेंसियों के बीच सहयोग।
- यह टेलीविजन और रेडियो कार्यक्रमों के प्रसारण और दूसरे पक्ष के राज्य के क्षेत्र में कानूनी रूप से वितरित किए जाने में सहायता करेगा।
- यह समझौता मास मीडिया के क्षेत्र में अनुभव और विशेषज्ञों के आदान-प्रदान को प्रोत्साहित करेगा, मीडिया पेशेवरों को प्रशिक्षण देने में पारस्परिक सहायता प्रदान करेगा और शैक्षिक और वैज्ञानिक अनुसंधान संस्थानों के बीच सहयोग को प्रोत्साहित करेगा।

SCO के बारे में तथ्य: शंघाई सहयोग संगठन या शंघाई पैक्ट, एक यूरेशियन राजनीतिक, आर्थिक और सुरक्षा गठबंधन है।

- **स्थापना:** 15 जून 2001

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup State PCS
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

- **सदस्य:** चीन, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, रूस, ताजिकिस्तान, उजबेकिस्तान, भारत और पाकिस्तान।
- **मुख्यालय:** बीजिंग, चीन
- भारत 2017 में SCO का पूर्ण सदस्य बन गया। इससे पहले, भारत को पर्यवेक्षक का दर्जा प्राप्त था, जो इसे 2005 में प्रदान किया गया था।

WHO ने भारत में पाए जाने वाले पहले COVID -19 वेरिएंट का नाम 'कप्पा' और 'डेल्टा' के रूप में दिया

चर्चा में क्यों?

- **विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO)** ने घोषणा की कि भारत में पहली बार पहचाने गए COVID-19 के B.1.617.1 और B.1.617.2 वेरिएंट को क्रमशः 'कप्पा' और 'डेल्टा' नाम दिया गया है।

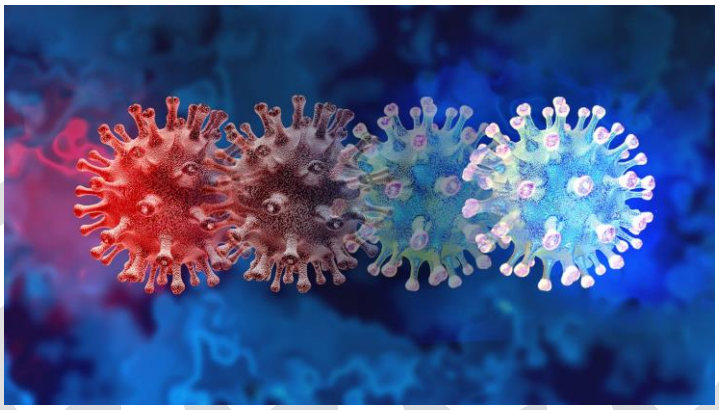

प्रमुख बिंदु

- वे मौजूदा वैज्ञानिक नामों को प्रतिस्थापित नहीं करेंगे, लेकिन उनका उद्देश्य वेरिएंट ऑफ़ कंसर्न्स (VOCs) एंड वेरिएंट ऑफ़ इंटरेस्ट (VOIs) की सार्वजनिक चर्चा में मदद करना है।

अन्य COVID-19 वेरिएंट:

- B.1.1.7 COVID-19 स्ट्रेन जिसका पहली बार UK में पता चला था, उसे 'अल्फा' के नाम से जाना जाएगा।
- अमेरिका में पाए गए COVID-19 स्ट्रेन 'एप्सिलॉन' और 'आईओटा' हैं।
- दक्षिण अफ्रीका में पाए गए B.1.351 वेरिएंट को अब 'बीटा' कहा जाता है।
- P.1 वैरिएंट जो सबसे पहले ब्राज़ील में पाया गया वह 'गामा' है और P.2 वैरिएंट 'जेटा' है।

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) अरुण कुमार मिश्रा ने NHRC के अध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभाला

चर्चा में क्यों?

- न्यायमूर्ति अरुण कुमार मिश्रा (सेवानिवृत्त) ने राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (NHRC) के अध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभाला।

प्रमुख बिंदु

- **अरुण कुमार मिश्रा** अगस्त 2020 में सुप्रीम कोर्ट से सेवानिवृत्त हुए थे।

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (NHRC) के बारे में: यह मानवाधिकार संरक्षण अधिनियम, 1993 के प्रावधानों के अनुसार 12 अक्टूबर 1993 को गठित एक वैधानिक सार्वजनिक निकाय है।

जगजीत पवाडिया अंतर्राष्ट्रीय नारकोटिक्स कंट्रोल बोर्ड के अध्यक्ष के रूप में निर्वाचित

चर्चा में क्यों?

- भारत के पूर्व नारकोटिक्स कमिश्नर जगजीत पवाडिया को अंतर्राष्ट्रीय नारकोटिक्स कंट्रोल बोर्ड (INCB) का अध्यक्ष चुना गया है।
- वह कॉर्नेलिस पी डी जॉनचेरे का स्थान लेंगी।

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

प्रमुख बिंदु

- **जगजीत पवाडिया** संगठन का नेतृत्व करने वाली पहली भारतीय हैं और इस पद को संभालने वाली दूसरी महिला हैं।
- वह 2015 से INCB की सदस्य हैं। वह 2016 में बोर्ड की पहली उपाध्यक्ष चुनी गई।

अंतर्राष्ट्रीय नारकोटिक्स कंट्रोल बोर्ड (INCB) के बारे में:

- INCB एक स्वतंत्र, अर्ध-न्यायिक विशेषज्ञ निकाय है, जिसकी स्थापना 1961 के नारकोटिक ड्रग्स पर एकल कन्वेंशन द्वारा दो निकायों: स्थायी केंद्रीय नारकोटिक्स बोर्ड और ड्रग पर्यवेक्षी निकाय को मिलाकर की गई थी।
- इसका मुख्यालय वियना, ऑस्ट्रिया है।

gradeup

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup State PCS
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now